

Supply of Rabies Vaccine to Dispensaries and Health Centres

*609. SHRI A. K. SAHA : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state :

(a) whether the present vaccine used for rabies in the Health Centres and Dispensaries in our country has been proved as ineffective ;

(b) if so, the reaction of Government thereon ; and

(c) the steps taken by Government to provide effective vaccine for rabies to the Dispensaries and Health centres ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI A. K. KISKU) : (a) to (c). There is no evidence to show that the Rabies Vaccines used in various health centres and dispensaries are ineffective. A small proportion of cases treated with antirabic vaccine may be expected to develop hydrophobia in spite of treatment with an efficient vaccine.

SHRI A. K. SAHA : May I know whether government is contemplating legislation making it compulsory for owners of dogs to have them immunized every six months ?

SHRI A. K. KISKU : There is no legislation under consideration now because cases of rabies and hydrophobia are effectively taken care of by existing vaccine and also by the medical care that this country is providing. Therefore, this question has not arisen.

MR. SPEAKER : Recently so many articles have appeared in *The Statesman* about this.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं आप के माध्यम से मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या यह बात सही है कि देश में कुत्ते काटे हुये अधिकांश लोगों का इलाज ठीक समय पर और पर्याप्त मात्रा में नहीं हो पाता और इस का परिणाम बहुत बुरा हो रहा है। क्या सरकार कोई ऐसी व्यवस्था करने जा रही है

कि कुत्तों की तादाद जो बहुत बढ़ती जा रही है, उनको समाप्त किया जाय जिसमें कि उनके काटे जाने से लोग बच सकें ? पालतू कुत्तों को तो लोग बांध भी सकते हैं, लेकिन अधिकांश तादाद उन कुत्तों की है जिन को बांधा नहीं जा सकता है। क्या उनकी कोई व्यवस्था की जा रही है ?

निर्माण और आवास तथा स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री (श्री उमाशंकर बीजित) : मारे देश में हर प्रदेश में म्यूनिसिपैलिटीज में इस की पूरी व्यवस्था है। जहां तक ट्रीटमेंट का सवाल है जो लोग हास्पिटल में जाते हैं उन के लिये रैबीज के वैक्सीन की काफी व्यवस्था है। सिर्फ यह प्रभावी वहां नहीं होता, जहां लोग अस्पताल तक पहुंच ही नहीं पाते। जहां कहीं भी वैक्सीन का इस्तेमाल हो जाता वहां वह 99 परसेंट प्रभावशाली होता है। बहरहाल म्यूनिसिपैलिटीजों में इस की व्यवस्था है, लिहाजा किसी और कानून की आवश्यकता नहीं है।

SHRI NIMBALKAR : May I know whether the government is aware that there is a vaccine developed in America with which one injection makes the patient immune for his whole life ? Now they are giving 14 injections. May I know whether there is any plan for importing that vaccine from America ?

SHRI A. K. KISKU : We are not aware of it.

श्री परिपूर्णानन्द वेन्गुली : मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि क्या इस वर्ष स्ट्रे कैसेज न हो कर व्यापक पैमाने पर पागल कुत्तों के काटने की घटनायें कुछ पाकेट्स में हुई हैं ? क्या इस का कोई सर्वेक्षण किया गया है ? यदि किया गया है तो उस का क्या परिणाम निकला ?

श्री उमाशंकर बीजित : इस तरह से व्यापक पैमाने पर होने वाली घटनाओं की कोई सूचना हमारे पास नहीं है।

SHRI N. K. SINHA : I want to know whether adequate quantities of anti-rabi medicines are supplied to the health centres? My information is that they are not being supplied adequate quantities of these medicines.

SHRI UMA SHANKER DIKSHIT : It is not possible to supply all the health centres with these medicines. It is not so widely prevalent either. About three lakhs of cases are treated every year and wherever there is any report of large-scale prevalence we certainly will take care of it.

देश में आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय

*610. श्री प्रताप सिंह नेगी : क्या स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में आयुर्वेदिक विश्वविद्यालयों की स्थापना करने के बारे में कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) यदि हां, तो उन राज्यों के क्या नाम हैं जहाँ ऐसे विश्वविद्यालय स्थापित किए जायेंगे ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उत्तर प्रदेश में गढ़वाल जिले का सर्वेक्षण करने से वहाँ बहुत अधिक जड़ी बूटिया मिल सकती है ;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार गढ़वाल में एक आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय की स्थापना करने का है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA) : (a) and (b). The Government of India do not have under consideration any proposal to set up Ayurvedic Universities in the country.

(c) A survey is in progress.

(d) and (e). A unit for the Survey of Medicinal Plants has been set up at Ranikhet for the purpose of discovery of herbs and it is not considered necessary to set up an Ayurvedic University for this limited purpose.

श्री प्रताप सिंह नेगी : क्या मन्त्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि जड़ी बूटियों की जब देश में बहुत आवश्यकता है तब क्या गढ़वाल में भी उसके सर्वेक्षण का काम हो रहा है ?

SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA : We are quite aware that there are plenty of medicinal herbs available in Ranikhet. Work is already in progress there.

श्री प्रताप सिंह नेगी : मैंने गढ़वाल के बारे में पूछा था और मन्त्री महोदय ने रानीखेत के बारे में बतलाया है। क्या रानीखेत वाले लोग गढ़वाल में भी अनुसन्धान कर रहे हैं।

SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA : We have two units there—one at Hardwar and another at Ranikhet. Survey work at Hardwar has been completed. The one at Ranikhet is continuing its work

श्री प्रताप सिंह नेगी : मैंने मन्त्री महोदय से गढ़वाल के बारे में पूछा था और जवाब उन्होंने दिया है सहारनपुर और अल्मोड़ा जिलों के बारे में।

निर्माण और आवास तथा स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्री (श्री उमाशंकर दीक्षित) : सर्वे की टीम काफी व्यापक है। उम एरिया में केवल हरिद्वार या रानीखेत अथवा एक शहर का सवाल नहीं है। वहाँ से काम हो रहा है। जिस क्षेत्र में आवश्यकता होगी वहाँ सर्वेक्षण टीम जायेगी। सर्वेक्षण का काम व्यापक रूप से, लेकिन बात तौर से हिमाचल रीजन में चलने वाला है जिस में गढ़वाल भी शामिल समझा जा सकता है।

श्री परिपूर्णलाल वैन्सुली : मैं जानना चाहता हूँ कि प्रक